## पद ७८

(राग: यमन जिल्हा - ताल: केहरवा)

अहा मित स्फुरली मजमाजीं।।ध्रु.।। श्रमुनि विषयभोग एकांतीं। महामौन निजल्यें पितशेजी।।१।। हिरहर राजयोग हठसिद्धि। ईशपदाविर मी इतराजी।।२।। चिन्मंडल मार्तांड भुवनीं। निर्विकल्प पितसी मी हो राजी।।३।।